भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
मौसम केंद्र,बिरसा मुंडा विमानपत्तन
METEOROLOGICAL CENTRE, BIRSA MUNDA AIRPORT
राँची, झारखण्ड, पिन- 834002
RANCHI, JHARKHAND, PIN-834002
दूरभाष/Telephone: 2970311/2253254/2251709/253879 फैक्स/Fax: 0651-2251709/2253879
Website: http://mausam.imd.gov.in/ranchi/,e-mail: metranchi@gmail.com, mcranchi@rediffmail.com

Years of Service to the Nation
राष्ट्र सेवा के 150 वर्ष

दिनांक: 09.06.2026

विशेष बुलेटिन- 02

झारखण्ड राज्य में गर्जन/वज्रपात एवं आंधी (Thunderstorm, Lightning and Gusty wind) का कृषि पर "प्रभाव आधारित पूर्वानुमान"

दिनांक*	मध्य झारखण्ड (राँची, बोकारो, धनबाद, गुमला, हज़ारीबाग, कोडरमा, लोहरदगा ,खूंटी तथा रामगढ)	दक्षिणी झारखण्ड (पूर्वी सिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला खरसावाँ)	उत्तर-पश्चिमी झारखण्ड (पलामू, गढ़वा,चतरा तथा लातेहार)	उत्तर-पूर्वी झारखण्ड (देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामतारा, पाकुर तथा साहेबगंज)
11.06.2026 & 12.06.2026	राज्य के कोडरमा ,हजारीबाग ,गिरीडीह, देवघर, धनबाद, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुर, साहिबगंज, बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी,जिलों में में कहीं-कहीं गर्जन/वज्रपात और आंधी (अधिकतम गति: 50-60 किमी/घंटा) की संभावना है।			
	राज्य के शेष जिलों में कहीं-कहीं गर्जन/वज्रपात और आंधी (अधिकतम गति: 40-50 किमी/घंटा) की संभावना है।			

*(किसी भी दिनांक को जारी पूर्वानुमान, अगले दिन के सुबह 0830 भा.मा.स. तक वैध है ।

गर्जन/वज्रपात एवं आंधी (Thunderstorm, Lightning and Gusty wind) वाले जिलों को नीचे मानचित्र में भी दर्शाया गया है ।)

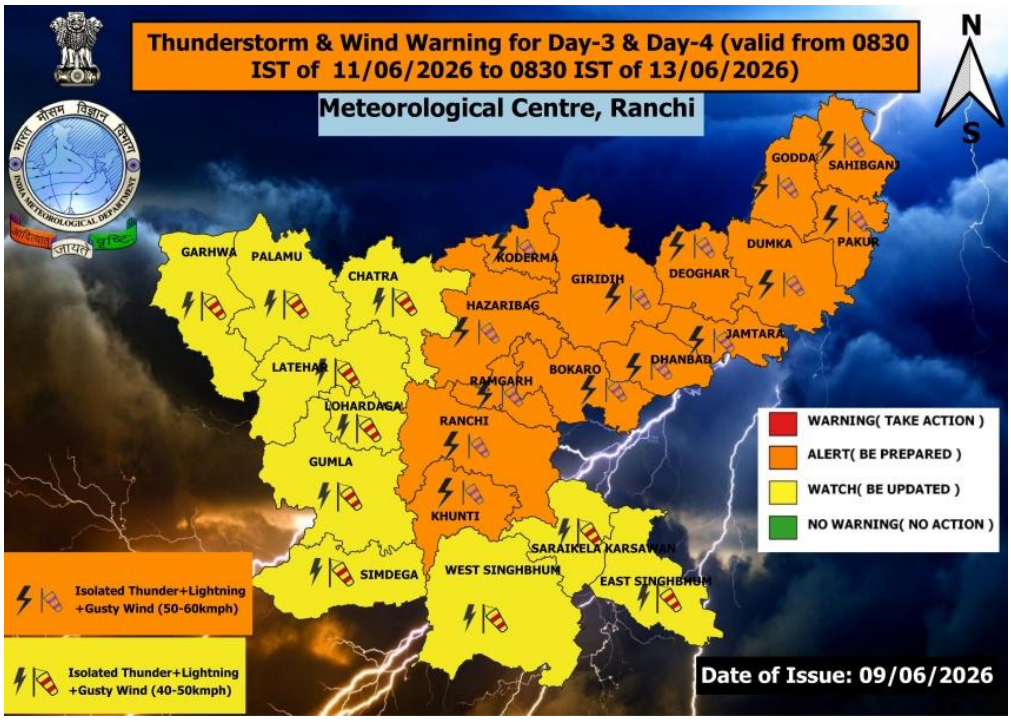

गर्जन/वज्रपात एवं आंधी से कृषि पर होने वाले संभावित प्रभाव एवं बचाव

कृषि पर संभावित प्रभाव

1. फसलों को नुकसान
    - तेज आंधी और बारिश से फसलें गिर सकती हैं।
    - वज्रपात एवं ओलावृष्टि से फसल नष्ट हो सकती है।
    - फूल एवं फल झड़ सकते हैं।
2. पेड़-पौधों पर प्रभाव
    - तेज हवा से पेड़ टूट सकते हैं।
    - सब्जियों एवं बागवानी फसलों को भारी नुकसान हो सकता है।
3. मिट्टी एवं सिंचाई पर असर
    - तेज बारिश से मिट्टी का कटाव होता है।
    - खेतों में जलभराव से फसल खराब हो सकती है।
4. पशुपालन पर प्रभाव
    - खुले में बंधे पशुओं पर बिजली गिरने का खतरा रहता है।
    - पशुओं के चारे एवं शेड को नुकसान हो सकता है।
5. कृषि उपकरणों का नुकसान
    - बिजली गिरने से मोटर, पंपसेट एवं अन्य उपकरण खराब हो सकते हैं।

बचाव के उपाय

फसल सुरक्षा

- मौसम पूर्वानुमान की जानकारी नियमित रूप से लें।
- पकी हुई फसल को जल्द कटाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें।
- खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- बागवानी फसलों में पौधों को सहारा दें।

वज्रपात से बचाव

- गर्जन के समय खेत में कार्य न करें।
- पेड़ों के नीचे खड़े न हों।
- बिजली उपकरणों का उपयोग बंद रखें।
- खेत में लगे पंपसेट का स्विच बंद कर दें।

पशुधन सुरक्षा

- पशुओं को खुले मैदान में न रखें।
- उन्हें सुरक्षित एवं छायादार स्थान पर बांधें।

कृषि उपकरण सुरक्षा

- ट्रैक्टर, पंपसेट एवं मशीनों को ढककर सुरक्षित रखें।
- बिजली के तार एवं उपकरणों की जांच करते रहें।

आपातकालीन तैयारी

- स्थानीय प्रशासन एवं मौसम विभाग की चेतावनी का पालन करें।

पूर्वानुमान पदाधिकारी
मौसम केंद्र, रांची